सीएसआईआर-सीरी की वैज्ञानिक डॉ किरणमयी को मिला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार 2022

सीएसआईआर-सीरी की प्रधान वैज्ञानिक डॉ ए हेप्सिबा किरणमयी को भारत सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 के लिए चुना गया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर डॉ जितेन्द्र सिह ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्रदान किए। अपरिहार्य कारणों से डॉ किरणमयी पुरस्कार प्राप्त करने नई दिल्ली नहीं आ सकीं, इसलिए संस्थान की ओर से डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने केंद्रीय मंत्री डॉ जितेन्द्र सिह एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर से यह सम्मान प्राप्त किया। डॉ (श्रीमती) किरणमयी को यह पुरस्कार दूध में यूरिया, कॉस्टिक सोडा, अमोनियम सल्फेट, सोडियम बाइकार्बोनेट, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, डिटर्जेन्ट, मिलावट, तरल साबुन, बोरिक एसिड, नमक तथा अन्य अनेक मिलावटी तत्वों का पता लगाने वाले यंत्र क्षीर स्कैनर और क्षीर टेस्टर की टेक्नोलॉजी के विकास में नवाचार के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के अंतर्गत पुरस्कृत वैज्ञानिक को एक लाख रुपये नकद तथा ट्रॉफी प्रदान की जाती है।

डॉ ए हेप्सिबा किरणमयी, प्रधान वैज्ञानिक

डॉ जितेन्द्र सिह, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री से पुरस्कार प्राप्त करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने के लिए संस्थान के पूर्व निदेशकों, पूर्व वैज्ञानिकों सहित संस्थान के सहकर्मियों ने डॉ पी सी पंचारिया और डॉ ए हेप्सिबा किरणमयी को बधाई दी।

डॉ ए हेप्सिबा किरणमयी का संक्षिप्त परिचय

डॉ किरणमयी सीएसआईआर-सीरी के चेन्नै केंद्र में प्रधान वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं। आपने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल से इंस्ट्रुमेंटेशन में विशेषज्ञता के साथ इंजीनियरिग भौतिकी में एमएससी (टेक) की। इसके बाद देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिग साइंस में पीएचडी की। डॉ किरणमयी को लगभग 14 वर्षों का अनुसंधान एवं विकास का अनुभव है। पीयर-समीक्षित पत्रिकाओं और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में आपके 15 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं तथा आपके द्वारा पांच पेटेंट भी फाइल किए गए हैं। आप डेयरी इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में सामाजिक उद्देश्यों के लिए इंटेलिजेन्ट और किफायती उपकरण विकसित करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं में शोधरत हैं। आपके द्वारा किए गए उल्लेखनीय शोध एवं विकास कार्यों में - क्षीर स्कैनर, क्षीर एनालाइजर, हैंडहेल्ड मिल्क टेस्टर इत्यादि हैं। खाद्य और कृषि क्षेत्र में गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण के लिए विभिन्न पैटर्न पहचान तकनीकों और केमोमेट्रिक्स का विकास करना आपकी शोधरुचि में शामिल है।

सीमा सन्देश

शेखावाटी सन्देश 3

सीएसआईआर-सीरी की वैज्ञानिक डॉ. किरणमयी को मिला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। सीएसआईआर-सीरी पिलानी की प्रधान वैज्ञानिक डॉ हेप्सिबा किरणमयी को भारत सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 के लिए चुना गया।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्रदान किए।

संस्थान की ओर से डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने केंद्रीय मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह से यह सम्मान प्राप्त किया। डॉ (सुश्री) किरणमयी को दूध में यूरिया, कास्टिक सोडा, अनोनियम सल्फेट, सोडियम बाइकाबोर्नेट, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, डिटर्जेन्ट, मिलावट, तरल साबुन, बोरिक एसिड, नमक तथा अन्य अनेक मिलावटी तत्वों का पता लगाने वाले यंत्र क्षीर स्कैनर और क्षीर टेस्टर की टेक्नोलॉजी के विकास में नवाचार के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के अंतर्गत पुरस्कृत वैज्ञानिक को एक लाख रुपये नकद तथा ट्रॉफी प्रदान की जाती है। इस पुरस्कार के लिए संस्थान के पूर्व निदेशकों, पूर्व वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों ने डॉ पंचारिया और डॉ किरणमयी को बधाई दी।